VueNow

# NEWSLETTER

मार्च 2022 www.vuenowonline.com

# एज डेटा सेंटर नेटवर्क के दायरे में होंगी भविष्य की सभी आईटी सेवाएं

इंटरनेट ऑफ थिंग्स या इंटरनेट के जरिए ऑपरेट होने वाली आईओटी मशीनों पर हमारी निर्भरता जिस तेजी से बढ़ी है उससे आईटी उद्योग का पारंपरिक स्वरूप पूरी तरह बदल गया है. आईटी की कुशलता बढ़ने के साथ ही कीमती समझा जाने वाला डेटा बेशकीमती हो गया है. मांग बढ़ने से इसकी डिलीवरी स्पीड भी लगातार तेज हो रही है. बदलती जरूरतों और पिछले अनुभवों के आधार पर डेटा स्टोरेज और प्रोसेसिंग के लिए सेंट्रल सर्वर को प्राथमिकता के हमारे नजरिए में बदलाव हुआ है. आज अग्रणी बिजनेस हाउस और दिग्गज कंपनियां भी सेवाओं के प्रसार, विस्तार तथा बेहतर और त्वरित डिलीवरी के लिए डेटा को यूजर के अधिकतम नजदीक ही स्टोर और प्रोसेस करने को प्राथमिकता दे रही हैं. इसके लिए वह एज डेटा सेंटर पर भरोसा बढ़ रहा है.

ईडीसी मशीनों को बनाता है भरोसेमंद

ईडीसी से बेहतर होता है डेटा मैनेजमेंट

कम होता है इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग और आपूर्ती का अंतर

कम खपत में बेहतर रिजल्ट

## ईडीसी मशीनों को बनाता है भरोसेमंद

इनमें आईओटी मशीनों से आने वाला डेटा और कमांड एज कंप्यूटिंग के जरिए नेटवर्क के नजदीकी सर्वर से ही एग्जीक्यूट किए जाते हैं. यूजर के नजदीक होने के कारण डेटा को कम दूरी तय करनी होती है जिससे सारी प्रक्रिया तेजी से पूरी होती है, लेटेंसी कम होती है और आईओटी डिवाइस का आउटपुट बेहतर होता है. यूजर को मनचाहा रिजल्ट मिलता है जिससे डिवाइस पर उसका भरोसा बढ़ता है.

## ईडीसी से बेहतर होता है डेटा मैनेजमेंट

सेवाओं के विस्तार के साथ विभिन्न क्षेत्रों में आईटी पर निर्भरता बढ़ रही है. स्थानीय बाजार तेजी से विकसित हो रहे हैं और हर क्षेत्र में एज कंप्यूटिंग नेटवर्क की मांग बढ़ रही है. इसके अलावा पहले से अत्यधिक दबाव में चल रही हाइपरस्केल स्टोरेज फैसिलिटी पर लोड कम करने के लिए भी एज नेटवर्क पर ही भरोसा किया जा रहा है.

## कम होता है इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग और आपूर्ती का अंतर

दूर दराज के क्षेत्रों में इंटरनेट के विस्तार और इस्तेमाल बढ़ने से डेटा की मांग और आपूर्ती में बड़ा अंतर महसूस किया जा रहा है. इंटरनेट के जरिए डिलीवर होने वाली जो सेवाएं महानगरों में निर्बाध उपलब्ध हैं दूरदराज क्षेत्रों में उनमें रुकावट आती है. हाईवे पर सफर के दौरान टोल प्लाजा पर फास्टैग को लेकर कई बार इसका शिद्दत से अनुभव होता है जब बेहद छोटे से डेटा को प्रोसेस होने में भी जरूरत से ज्यादा समय लगता है. इसके अलावा अक्सर हमारी डिवाइस में नेटवर्क सिग्नल होने के बावजूद कमांड प्रोसेस होने में ज्यादा समय लगता है. इस समस्या के हल के रूप में आज एकमात्र विकल्प एज डेटा सेंटर हैं.

जीवन में आईओटी डिवाइस पर निर्भरता बढ़ने से केवल फोन ही नहीं स्कूल, बैंक, ऑफिस, मार्केट, पोस्ट ऑफिस, थाने, हॉस्पिटल सभी जगह स्मार्ट सिस्टम प्रभावी हो रहे हैं. समय के साथ इनमें इंसानी दखल लगातार कम होती जाएगी और मशीनें ही मशीनों को कमांड और ऑपरेट करेंगी. आज कमांड प्रोसेसिंग में रुकावट होने पर हम कोई न कोई हल या जुगाड़ कर लेते हैं. लेकिन बिना मानवीय दखल वाले स्मार्ट सिस्टम में ऐसी कोई रुकावट होने की गुंजाइश नहीं होगी और ऐसी मशीनों को संवाद के लिए भविष्य में कानूनी अधिकार यानी "राइट टू कम्युनिकेट" हासिल होगा. भविष्य के ऐसे स्मार्ट सिस्टम एज डेटा सेंटर के साथ ही संभव होंगे.

इन सब के अलावा हाईपरस्केल डेटा सेंटर की बिजली की खपत और उनके बेहद बड़े कार्बन फुटप्रिंट के चलते भी केवल इनके भरोसे रहना पर्यावरण के लिए भी बड़ी चुनौती है.

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के विस्तार से हाल के सालों में गावों में डेटा की डिमांड 400 प्रतिशत बढ़ी है. इससे तेज स्पीड वाले इंटरनेट और आईटी आधारित सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है. 2028 तक देश में 6 लाख से अधिक एज डेटा सेंटर की जरूरत का अनुमान है.

## कम खपत में बेहतर रिजल्ट

डेटा सप्लाई में महानगरों, छोटे शहरों, कस्बों और गावों के बीच के गैप, डेटा की बढ़ती डिमांड और तेजी से बदलती जरूरतों और सेवाओं के विस्तार की मांग को पूरा करने के लिए व्यूनाऊ एज डेटा सेंटर का नेटवर्क तैयार कर रहा है. हमारी योजना 2028 तक 1.46 लाख डेटा सेंटर बनाने की है. हम इस दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं. यूपी, बिहार, गोवा, हिमाचल, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में राज्य सरकारों के सहयोग से हम एज डेटा सेंटरों का विश्वसनीय नेटवर्क पर काम कर रहे हैं. इनमें जरूरत के मुताबिक 4, 6 और 8 रैक के छोटे लेकिन बेहद कुशल डेटा सेंटर होंगे. बिजली की 40 प्रतिशत कम खपत करने के बावजूद प्रोसेसिंग का काम बेहद कुशलता से करेंगे. महत्वपूर्ण बात ये है कि जरूरत पड़ने पर बेहद कम समय में इनका विस्तार किया जा सकता है और इन्हें नई लोकेशन पर शिफ्ट करना भी बेहद आसान होगा.

जल्दी ही एज डेटासेंटर आईटी सेवाओं के केंद्र में होंगे और भविष्य की सभी आईटी जरूरतें इनकी परिधि के दायरे में ही होंगी. कुल मिलाकर एज डेटा सेंटर ही वो सुपर हाईवे होंगे जिनके जरिए डेटा ट्रैवलिंग बेहतर होगी और यूजर बगैर रुकावट के डेटा एक्सेस करने का रीयलटाइम एक्सपीरिएंस कर पाएंगे.

# क्या यूपी भविष्य में डाटा सेंटर हब के रूप में विकसित होगा !

यूपी भविष्य में डेटा सेंटर हब बनेगा या यह महज एक खोखला दावा बनकर रह जाएगा? भविष्य के डेटा सेंटर हब बनने के लिए प्रदेश को कैसे तैयार किया जा रहा है, इसकी एक झलक बीती फरवरी में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 में देखने को मिली. डाटा सेंटर सेक्टर इस आयोजन में आकर्षण का मुख्य केंद्र था.

सम्मेलन में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने देश को प्रौद्योगिकी क्रांति का अग्रदूत बताया. सेक्टर की प्रमुख कंपनियों के साथ एक चर्चा सत्र के दौरान के उन्होंने उत्तर प्रदेश को डाटा सेंटर हब और भविष्य के लिए विश्व का अग्रणी डाटा सेंटर पार्क बताया. वहीं प्रदेश के सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि डिजिटल इंडिया मिशन के लिए हम इस क्षेत्र में सुधार, परिवर्तन और प्रदर्शन के लिए निवेश के लिए तैयार हैं.

एचसीएल, सिफी और अर्न्स्ट एंड यंग जैसी डेटा सेक्टर की प्रमुख कंपनियां इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर शामिल हुईं. सभी ने क्षेत्र के लिए राज्य की नीतियों का स्वागत किया. इन डाटा सेंटर कंपनियों में से एक के अधिकारी ने कहा कि इस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच बहुत बड़ा अंतर है. उत्तर प्रदेश देश के कुल डेटा का 20% पैदा होता है लेकिन वर्तमान में यहां डेटा स्टोरेज क्षमता केवल 2% है. इसलिए राज्य में डाटा सेंटर की आपूर्ती में विकास काफी गुंजाइश है.

उत्तरप्रदेश की डेटा सेंटर नीति के सुधार में अहम भूमिका निभाने वाले व्यूनाऊ समूह के सीईओ और संस्थापक सुखविंदर सिंह ने ताजा संशोधन का स्वागत किया और कहा कि इसने उद्योग के लिए विशेष रूप से डेटा सेंटर के लिए एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया है. उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में लालफीताशाही की आम धारणा को तोड़कर सहयोग का माहौल बनाया जा रहा है जिससे राज्य सरकार के साथ काम करना आसान हो गया है. उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मिस्टर मिथ बस्टर बताया और कहा कि व्यूनाउ समूह पूरे राज्य में 750 एज डेटा सेंटर का एक विकेंद्रित नेटवर्क विकसित कर रहा है. 13,500 करोड़ के निवेश की इस योजना पर तेजी से काम चल रहा है. इसमें हर ब्लॉक में 4-8 रैक की क्षमता के डेटा सेंटर बनाए जाएंगे जो अगले चार साल में काम करने लगेंगे. अत्याधुनिक दक्षता वाले ये एज डेटा सेंटर बिजली की 40 प्रतिशत कम खपत करेंगे.

सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विशेष सचिव कुमार विनीत ने कहा कि हम वाराणसी, बरेली और गोरखपुर में नए आईटी पार्क बनाने के लिए काम कर रहे हैं. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि टियर 1 और टियर 2 शहरों को भी इसमें शामिल करने का फैसला किया गया है. डेटा सेंटर नीति में नए संशोधन के बारे में बात करते हुए, उन्होंने आगे कहा कि डीसी नीति के तहत रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराने का प्रवधान है. इससे राज्य में डेटा सेंटर की स्थापना और संचालन करना सुगम होता है. इसके अतिरिक्त पंजीकरण शुल्क, बिजली बिल में छूट और अन्य कई तरह की छूट भी दी गई हैं. इससे व्यवसाय की लागत कम होती है. नए संशोधन के तहत, ये लाभ उन एज डेटा सेंटर्स (EDC) के लिए ही लागू होंगे जिन्होंने एक बार में कम से कम 25 एज डेटा सेंटर खोलने का प्रस्ताव दिया गया हो. इसके अलावा डेटा सेंटरों को मिशन क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर में शामिल किया गया है जिससे इन्हें निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी. जो डेटा सेंटर संचालन में डाउनटाइम को कम करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है.

# कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो 2023 में शामिल होगा व्यूनाऊ

आईटी, टेलिकॉम और तकनीक के क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप्स और उद्यमों को मंच देने के लिए प्रतिष्ठित कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो इस बार में मार्च के अंत में आयोजित होने वाला है. बदलाव और विकास के अपने सफर के प्रदर्शन के लिए व्यूनाउ इस एक्सपो में भागीदारी करने को पूरी तरह तैयार है. 27-29 मार्च को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होने वाले इस एक्पो में हम अपने ताजातरीन एज डेटा सेंटर सॉल्यूशन को पेश करेंगे. जिन्हें भारत की बढ़ती कंप्यूटिंग और स्टोरेज जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेषतौर पर डिज़ाइन किया गया है. हमारे सॉल्यूशन बेहद विश्वसनीय, सुरक्षित और तेजी से विस्तार के अनुकूल हैं और हर स्तर के व्यवसाय में एज कंप्यूटिंग का फायदा पहुंचाने के लिए तैयार किए गए हैं.

हमारे सॉल्यूशन आईओटी और मशीन लर्निंग से लेकर वीडियो स्ट्रीमिंग और ई-कॉमर्स तक को अधिक प्रभावी और यूजरफ्रैंडली बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं.

कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो में नवीनतम समाधानों को प्रदर्शित करने के अलावा, व्यूनाऊ के सीईओ श्री सुखविंदर सिंह आईटी और प्रोद्योगिकी पर होने वाले परिचर्चा सत्रों में भी शामिल होंगे. इन सत्रों में आईटी उद्योग और नई तकनीकों से संबंधित कई विषय शामिल होंगे.

सुखविंदर सिंह का कहना है कि हम इन पैनल चर्चाओं में भाग लेने और एज कंप्यूटिंग में अपनी विशेषज्ञता को कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो के मंच से साझा करने के लिए तैयार हैं. हमारा मानना है कि एज कंप्यूटिंग भारत में व्यवसाय संचालन के तरीके को बदल कर रख देगा. हम अपने ग्राहकों को इस तकनीक की पूरी क्षमता के फायदों का बेहतरीन अनुभव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

कुल मिलाकर, कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो 2023 में व्यूनाऊ की भागीदारी बहुआयामी होगी. इस मौके पर भारत में एज कंप्यूटिंग के बढ़ते प्रभाव और व्यवसायों को इस तकनीक के लाभ से रूबरू कराने की व्यूनाऊ की प्रतिबद्धता सबके सामने होगी. व्यूनाऊ अपने नए प्रयोग, दक्षता और अनुभव के आधार पर तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य में सभी आकारों के व्यवसायों के विकास और विस्तार में मदद करने के लिए बेहद सक्षम है.

VueNow

## CONNECT

+91 8729 082 229

+91-120-6870800

contact@vuenowonline.com

816, 8th Floor, iThum Tower A
Sector 62, Noida, UP, India 201301

www.vuenowonline.com